राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान

उच्चतर माध्यमिक पाठ्यक्रम : लेखाशास्त्र

पाठ 2 : लेखांकन अवधारणाएं

कार्यपत्रक-2

1. लेखांकन की 'मिलान अवधारणा' को स्पष्ट कीजिए। इसके महत्व के बारे में संक्षेप में लिखिए।

2. निम्नलिखित लेनदेन के दो पहलुओं (प्रभावों) को लिखें:

अन क्रमांक	लेन-देन	पहला पहलू	दूसरा पहलू
i.	कैश से खरीदा गया सामान		
ii.	सिमरन को भुगतान किया		
iii.	किराया प्राप्त किया		
iv.	विज्ञापन व्यय का भुगतान किया गया		
V	शर्मा जी से नकद राशि प्राप्त की		

3. 'लेखांकन लागत अवधारणा' का अर्थ और महत्व स्पष्ट करें।
4. 'हर लेन-देन का दोहरा असर होता है'। इस कथन के संबंध में लेखांकन की द्विपक्षीय अवधारणा की व्याख्या करें।
5. लेखांकन अवधारणा का अर्थ स्पष्ट कीजिए। यह लेखांकन के लिए क्यों आवश्यक है ?
6. निम्नलिखित कथनों में शामिल लेखांकन सिद्धांत को स्पष्ट कीजिए:

i. ग्राहक से प्राप्त पेशगी, बिक्री के रूप में दर्ज नहीं किया गया है।

ii. साल के आखिरी महीने यानी मार्च, 2019 के लिए वेतन का भुगतान नहीं किया गया है। 31 मार्च, 2019 को समाप्त होने वाले वर्ष के खर्च के रूप में किस लेखांकन अवधारणा के तहत इसे दर्ज किया जाना चाहिए।

iii. लेखा नीतियों को एक अवधि से दूसरे में नहीं बदला जाना चाहिए।

iv. किस लेखांकन अवधारणा के अनुसार यह माना जाता है कि निकट भविष्य में व्यवसाय का परिसमापन नहीं किया जाएगा।

7. 'मुद्रा माप अवधारणा' से आप क्या समझते हैं?
8. 'व्यसाय इकाई अवधारणा' की संक्षिप्त व्याख्या करें। दो उदाहरण भी लिखें ।
9. 'वसूली अवधारणा' पर संक्षिप्त नोट लिखें।
10. 'लेखांकन अवधि अवधारणा' के महत्व का वर्णन करें।